SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Fishery / Aquaculture Technician

मत्स्य / एक्वाकल्चर तकनीशियन तालाब, हैचरी और मछली-फार्म पर व्यावहारिक तकनीकी काम करता है — पानी की गुणवत्ता (पीएच, ऑक्सीजन, तापमान, अमोनिया) जाँचना, मछलियों और झींगे को समय पर सही मात्रा में भोजन देना, बीमारियों की पहचान व...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/fishery-technician

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

मत्स्य / एक्वाकल्चर तकनीशियन तालाब, हैचरी और मछली-फार्म पर व्यावहारिक तकनीकी काम करता है — पानी की गुणवत्ता (पीएच, ऑक्सीजन, तापमान, अमोनिया) जाँचना, मछलियों और झींगे को समय पर सही मात्रा में भोजन देना, बीमारियों की पहचान व रोकथाम, हैचरी में अंडे व मछली-बीज (फ्राई/फिंगरलिंग) तैयार करना, तथा एरेटर, पंप, जाल व अन्य उपकरण चलाना और रखरखाव करना। भारत नीली क्रांति (ब्लू रेवोल्यूशन) और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत तेज़ी से बढ़ रहा है, इसलिए हैंड्स-ऑन तकनीकी काम पसंद करने वाले युवाओं के लिए यह एक व्यावहारिक, बढ़ता और आत्मनिर्भर करियर है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	10वीं/12वीं पास + मत्स्य पालन में आईटीआई/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट
कोर्स अवधि	सर्टिफिकेट 1–6 माह; डिप्लोमा 1–2 वर्ष; बी.एफ.एस-सी. 4 वर्ष
आरंभिक वेतन	₹12,000–18,000/माह
कार्य-शैली	तालाब/हैचरी/फार्म पर फील्ड-आधारित तकनीकी काम

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- पानी, मछलियों और जलीय जीवन के साथ बाहर, फील्ड में काम करने में रुचि
- जीव विज्ञान, प्रयोग और समस्या-समाधान में रुचि
- मशीनों, उपकरणों और हाथों से तकनीकी काम करना पसंद

क्षमताएँ

- शारीरिक रूप से स्वस्थ और मेहनती होना, पानी व गर्मी में काम कर पाना
- बुनियादी माप, गणना और रिकॉर्ड रखने की क्षमता
- बारीक अवलोकन — मछलियों के व्यवहार और पानी में बदलाव पहचानना

ज़रूरी कौशल

- पानी की गुणवत्ता जाँच — पीएच, घुलित ऑक्सीजन, तापमान, अमोनिया व लवणता का परीक्षण
- मछली व झींगे को सही मात्रा व समय पर भोजन देना और वृद्धि की निगरानी
- उपकरण चलाना व रखरखाव — एरेटर, पंप, जाल, फीडर और परीक्षण किट
- दैनिक रिकॉर्ड, फीड व स्टॉक रजिस्टर बनाए रखना
- हैचरी संचालन — प्रजनन, अंडों की देखभाल और मछली-बीज (फ्राई/फिंगरलिंग) तैयार करना
- रोग पहचान और रोकथाम — लक्षण पढ़ना, दवा/उपचार और जैव-सुरक्षा
- तालाब की तैयारी, चूना-खाद डालना, स्टॉकिंग और कटाई (हार्वेस्टिंग)

4 कैसे पहुँचें

1. 10वीं/12वीं (विज्ञान बेहतर) पूरी करें।
2. मत्स्य पालन/एक्वाकल्चर में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स करें — राजस्थान में मत्स्य महाविद्यालय, एमपीयूएटी उदयपुर सबसे उपयुक्त विकल्प है।
3. आगे बढ़ने के लिए 4-वर्षीय बी.एफ.एस-सी. (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस) कर सकते हैं।
4. आईसीएआर-सीफा, सीबा या सीफे जैसे संस्थानों से हैचरी, बायोफ्लॉक व झींगा पालन का अल्पकालिक प्रशिक्षण लें।
5. किसी मछली-फार्म, हैचरी या झींगा फार्म पर सहायक/प्रशिक्षु के रूप में व्यावहारिक अनुभव लें।
6. अनुभव के साथ फार्म सुपरवाइज़र, हैचरी मैनेजर बनें या पीएमएमएसवाई सब्सिडी से अपनी एक्वा-यूनिट शुरू करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- मत्स्य महाविद्यालय/एमपीयूएटी में डिप्लोमा व बी.एफ.एस-सी. के लिए प्रवेश (राज्य प्री-पीजी/मेरिट या आईसीएआर एआईईईए परीक्षा)

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- मत्स्य महाविद्यालय, एमपीयूएटी (College of Fisheries, MPUAT) — उदयपुर, राजस्थान (http://www.cofudaipur.ac.in/)
- महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (MPUAT) — उदयपुर, राजस्थान (https://www.mpuat.ac.in/)
- आईसीएआर-केंद्रीय मीठा जल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (ICAR-CIFA) — भुवनेश्वर, ओडिशा (https://cifa.nic.in/)
- आईसीएआर-केंद्रीय खारा जल जीवपालन संस्थान (ICAR-CIBA) — चेन्नई, तमिलनाडु (https://ciba.res.in/)
- आईसीएआर-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (ICAR-CIFE) — मुंबई, महाराष्ट्र (https://www.cife.edu.in/training)

निजी संस्थान

- समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (MPEDA) – एक्वाकल्चर प्रशिक्षण — कोच्चि / अखिल भारतीय (https://www.mpeda.gov.in/)
- राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (NFDB) – प्रशिक्षण केंद्र — हैदराबाद / अखिल भारतीय (https://nfdb.gov.in/)

ऑनलाइन

- सीफा ऑनलाइन प्रशिक्षण आवेदन प्रणाली (CIFA Training) — ऑनलाइन (https://www.cifatraining.com/)
- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)

फ़ीस

आईसीएआर-सीफा/सीबा/सीफे व एनएफडीबी/एमपीईडीए के अल्पकालिक प्रशिक्षण अक्सर मुफ़्त या बहुत कम शुल्क (₹500–5,000) पर होते हैं। सरकारी मत्स्य महाविद्यालय, एमपीयूएटी उदयपुर में डिप्लोमा/बी.एफ.एस-सी. की फीस अपेक्षाकृत कम (लगभग ₹10,000–40,000/वर्ष) होती है; निजी संस्थानों में यह अधिक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- आईसीएआर राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति (ICAR National Talent Scholarship – UG) (https://www.icar.org.in/)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (National Scholarship Portal) (https://scholarships.gov.in)
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान छात्रवृत्ति (SJE Rajasthan) (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

मछली-फार्म व तालाब, हैचरी, झींगा/एक्वा फार्म, फिश-फीड कारखाने, राज्य मत्स्य विभाग की इकाइयाँ, आईसीएआर अनुसंधान केंद्र और तटीय एक्वाकल्चर फार्म।

कार्य-संस्कृति

काम मुख्यतः खुले में, तालाब व हैचरी पर होता है; सुबह जल्दी और मौसम के अनुसार शिफ्ट में। स्टॉकिंग व कटाई के समय व्यस्तता अधिक रहती है। टीम में मेहनती व सतर्क रहना ज़रूरी है; यह क्षेत्र लड़कियों व ग्रामीण युवाओं के लिए भी अच्छे अवसर देता है।

कौन नौकरी देता है

- एक्वाकल्चर फार्म और मछली-पालन इकाइयाँ
- फिश-फीड निर्माता कंपनियाँ (जैसे गोदरेज एग्रोवेट, सीपी एक्वा, अवंती फीड्स)
- झींगा / एक्वा निर्यात कंपनियाँ और तटीय एक्वा फार्म
- मछली व झींगा हैचरी
- राज्य मत्स्य पालन विभाग और मत्स्य विकास एजेंसियाँ
- आईसीएआर संस्थान, एनएफडीबी व मत्स्य किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ)

माँग (2026)

भारत मछली उत्पादन में दुनिया के अग्रणी देशों में है और नीली क्रांति व प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत हैचरी, झींगा पालन, बायोफ्लॉक व आरएएस जैसी आधुनिक इकाइयाँ तेज़ी से बढ़ रही हैं। इससे पानी की गुणवत्ता, फीडिंग, रोग-प्रबंधन और हैचरी संचालन में दक्ष तकनीशियनों की माँग लगातार बढ़ रही है। राजस्थान में जलाशय-आधारित मत्स्य पालन के विस्तार से भी स्थानीय अवसर बन रहे हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. मत्स्य / एक्वाकल्चर तकनीशियन (सहायक/फील्ड)
2. फार्म सुपरवाइज़र / फार्म इंचार्ज
3. हैचरी मैनेजर / एक्वाकल्चर मैनेजर
4. स्वयं की एक्वा-यूनिट / हैचरी उद्यमी

कमाई

शुरुआत	₹12,000–18,000/माह
मध्य स्तर	₹20,000–35,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹40,000–60,000+/माह

शुरुआती फील्ड तकनीशियन/सहायक की आय लगभग ₹12,000–18,000/माह होती है। अनुभव, हैचरी व झींगा-पालन जैसी विशेष दक्षता और सुपरवाइज़र/मैनेजर पद के साथ यह बढ़कर ₹35,000–60,000/माह से ऊपर पहुँच जाती है। अपनी एक्वा-यूनिट या हैचरी लगाने पर आय कहीं अधिक हो सकती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- नीली क्रांति व पीएमएमएसवाई से तेज़ी से बढ़ता, व्यावहारिक करियर
- कम पूँजी व सरकारी सब्सिडी से अपनी एक्वा-यूनिट/हैचरी शुरू करने का रास्ता
- ग्रामीण युवाओं और लड़कियों के लिए आत्मनिर्भर, फील्ड-आधारित अवसर

चुनौतियाँ

- खुले में, पानी, कीचड़, गर्मी व कभी-कभी बदबू में मेहनती काम
- रोग या पानी बिगड़ने पर मछली/झींगे के नुकसान का जोखिम
- मौसमी व्यस्तता, जल्दी सुबह और अनियमित घंटे

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Yatindra Kashyap
मत्स्य पालक व हैचरी उद्यमी, मोतिहारी, बिहार

बिहार के मोतिहारी ज़िले के यतीन्द्र कश्यप ने सीमित जानकारी के साथ मत्स्य पालन शुरू किया और विशेषज्ञों से सीखकर तकनीक में महारत हासिल की। आज वे लगभग 25 एकड़ तालाबों में लगभग 50 टन मछली पालते हैं और हैचरी में मछली-बीज (फ्राई/फिंगरलिंग) तैयार करके उसे बेचते हैं, जिससे उनकी सालाना आय करीब ₹90 लाख तक पहुँच गई है। उनकी सफलता ने आसपास के किसानों को भी मत्स्य पालन की ओर प्रेरित किया। उनकी कहानी दिखाती है कि पानी की गुणवत्ता, फीडिंग और हैचरी संचालन जैसे तकनीकी कौशल सीखकर सामान्य शुरुआत से भी बड़ा, आत्मनिर्भर करियर बनाया जा सकता है।

YourStory · https://yourstory.com/2017/12/yatindra-kashyap-fishery-business

Ranjita Saikia Deka
आरएएस (रीसर्कुलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम) मत्स्य पालक व प्रशिक्षक, धेमाजी, असम

असम के धेमाजी की रंजीता सैकिया डेका का ऑनलाइन सर्विस व्यवसाय कोविड लॉकडाउन में ठप हो गया, तो उन्होंने 2020 में ज़मीन-आधारित आरएएस (रीसर्कुलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम) तकनीक से मत्स्य पालन शुरू किया। बहुत कम पानी और जगह में चलने वाली इस तकनीक में वे लगभग 6 लाख लीटर क्षमता के आठ टैंकों में रोहू, कतला, मागुर, सिंघी व रूपचंदा जैसी मछलियाँ पालती हैं — जिसमें पानी की गुणवत्ता की सतत निगरानी, फिल्टरेशन और टैंक प्रबंधन का तकनीकी कौशल ज़रूरी है। उनका सालाना कारोबार ₹11–15 लाख तक पहुँचा और उन्होंने असम व पड़ोसी राज्यों में छह-सात नए आरएएस उद्यमियों को प्रशिक्षित किया। उनकी कहानी दिखाती है कि आधुनिक जल-तकनीक सीखकर महिलाएँ भी एक्वाकल्चर में विशेषज्ञ व आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

The Better India · https://thebetterindia.com/294631/assam-woman-uses-innovatove-ras-technology-for-land-based-fish-farming-earns-lakhs/

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- मत्स्य पालन विशेषज्ञ (मत्स्यपालक)
- मत्स्य विस्तार अधिकारी
- मत्स्य विकास अधिकारी

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – मत्स्य तकनीशियन/एक्वाकल्चर तकनीशियन — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%ae%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%af-%e0%a4%a4%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%80%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%a8-%e0%a4%8f%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%b2/

2. मत्स्य महाविद्यालय, एमपीयूएटी उदयपुर — http://www.cofudaipur.ac.in/

3. आईसीएआर-सीफे – प्रशिक्षण कार्यक्रम — https://www.cife.edu.in/training

4. राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड – सफलता की कहानियाँ — https://nfdb.gov.in/welcome/success

5. प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) — https://pmmsy.dof.gov.in/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in